PRINT

पंजाब केसरी (Punjab Kesri)

National News Paper	Edition : Delhi	Circulation: 335610
दिनांक (Dated): 29.06.25	पृष्ठ सं. (Page No.) 04	क्रम सं. (Serial No.) 09

हवाई यात्रा होगी अब और सुरक्षित और सहज

सीआईएसएफ की बड़ी पहल विमानन सुरक्षा पर उच्च स्तरीय कार्यशाला संपन्न

नई दिल्ली, (पंजाब केसरी): भारत में हवाई अड्डों की सुरक्षा और यात्रियों के अनुभव को और बेहतर बनाने के उद्देश्य से केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल ने शुक्रवार को एक उच्च स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। एयरपोर्ट सेक्टर की कार्यात्मक कार्यशाला नामक कार्यक्रम में देश के 69 हवाई अड्डों के सुरक्षा प्रमुखों के अलावा नागरिक उड्डयन मंत्रालय (एमओसीए), डीजीसीए, बीसीएएस, एएआई, दिल्ली पुलिस, बीओआई, एसपीजी, एनएसजी, डायल, एयर इंडिया एक्सप्रेस और इंडिगो जैसी प्रमुख संस्थाओं व एजेंसियों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ) उप महानिरीक्षक अजय दहिया ने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य केवल सुरक्षा को सुदृढ़ करना नहीं था, बल्कि इसे यात्रियों के लिए अधिक सरल, स्मार्ट और समयबद्ध बनाना भी था। इसमें बायोमेट्रिक एयरपोर्ट एंट्री पास, फेशियल रिकग्निशन सीसीटीवी, वाहनों के लिए ऑटोमैटिक नंबर प्लेट रीडर (एनपीआर) और फास्ट टैग जैसे तकनीकी उपायों पर चर्चा की गई, जिससे हवाई अड्डों पर सुरक्षा जांच की प्रक्रिया तेज और सुगम हो सके। कार्यशाला में हितधारकों के लिए एकीकृत प्रशिक्षण प्रणाली और संयुक्त अभ्यास पर विशेष बल दिया गया। छोटे शहरों में नए विमानन सुरक्षा प्रशिक्षण संस्थानों (एएसटीआई) की स्थापना की योजना से देशभर में सुरक्षा मानकों को समान बनाए रखने की दिशा में कदम उठाया गया है। वीआईपी सुरक्षा के क्षेत्र में भी कार्यशाला में कई महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए। एंटी-ड्रोन रणनीति, अंदरूनी खतरे की निगरानी और लेयर्ड प्रोटेक्शन मॉडल पर विशेष चर्चा हुई, जिससे उच्च स्तरीय अतिथियों की यात्रा और भी अधिक सुरक्षित बनाई जा सके। उन्होंने कहा, इसके अतिरिक्त यात्री शिकायत निवारण प्रणाली की समीक्षा करते हुए सभी एजेंसियों ने सहमति जताई कि यात्रियों की शिकायतों का समाधान संवेदनशीलता और त्वरित प्रतिक्रिया के साथ किया जाना चाहिए। एयर सेवा जैसे डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से रियल टाइम समाधान की दिशा में गंभीर मंथन किया गया। तकनीकी एकीकरण और खतरे के पूर्वानुमान को लेकर कार्यशाला में एआई आधारित डेटा विश्लेषण पर जोर दिया गया, जिससे संभावित खतरों की समय रहते पहचान कर उन्हें रोका जा सके।

कार्यशाला का संचालन कर रहे सीआईएसएफ के विशेष महानिदेशक प्रवीर रंजन ने इसे समयोचित बताते हुए अंतर-एजेंसी सहयोग और ज्ञान उन्नयन की आवश्यकता पर बल दिया। आईजी विजय प्रकाश ने जमीनी स्तर की सतर्कता और खुफिया-आधारित कार्य प्रणाली को भविष्य की सुरक्षा रणनीति का आधार बताया। डीजीसीए के डीजी फैज अहमद किदवई ने नियामक एजेंसियों, ऑपरेटरों और सुरक्षा एजेंसियों के बीच सहयोग को विमानन क्षेत्र में सुधार की कुंजी बताया। कार्यशाला का समापन करते हुए आईजी जोस मोहन ने कहा कि विमानन सुरक्षा का मानकीकरण केवल तकनीक और सहयोग के संयुक्त प्रयास से संभव है। कार्यशाला केवल चर्चा का मंच नहीं, बल्कि एक अधिक सुरक्षित और यात्रियों के अनुकूल भविष्य की दिशा में ठोस पहल है।